

13.48 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) Boycott of examinations by College and school teachers of Uttar Pradesh.

श्री चन्द्रपाल शैलानी (हाथरस) :
उपाध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश में विश्व-विद्यालयों, कालेजों तथा स्कूलों के शिक्षकों द्वारा फिर से आंदोलन शुरू करने तथा परीक्षाओं के बहिष्कार का फैसला करने से बड़ी गम्भीर समस्या पैदा हो गई है। विश्वविद्यालय एवं कालेज शिक्षकों के मंच के प्रतिनिधियों का कहना है कि राज्य सरकार ने उन्हें जो आश्वासन दिये थे, उनसे वह पीछे हट रही है, इसलिए अब वे फिर से रैली और प्रदर्शनों का दौर चलायेंगे। इससे पहले दो मुद्दों को लेकर बहुत दिनों तक शिक्षकों के आंदोलन चलते रहे जो पिछले महीने ही वापिस लिये गये हैं। एक आंदोलन तो शिक्षकों के वेतन-वृद्धि मकान भत्ता, पदोन्नति, अन्तरिम राहत और लोक सेवा आयोग में प्रतिनिधित्व की मांग को लेकर था तो दूसरा शिक्षा के राष्ट्रीयकरण की मांग को लेकर। आन्दोलनों के कारण शिक्षा संस्थाओं में कितनी पढ़ाई हुई होगी, इसका अन्दाजा सहज में ही लगाया जा सकता है।

उत्तर प्रदेश की शिक्षा संस्थाओं में इस समय जो आपाधापी मची हुई है और शिक्षकों शिक्षार्थियों तथा प्रबन्धकों के बीच सम्बन्धों में जो रस्साकशी चल रही है, उससे वहां अनुशासनहीनता, अनिश्चय और अशांत वातावरण बना हुआ है जिसके कारण लाखों विद्यार्थियों का भविष्य खतरे में पड़ गया है। बनारस विश्वविद्यालय में तो 1983 की परीक्षाएं अभी होना बाकी हैं, दो-दो सत्र एक साथ चल रहे हैं।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि वह शिक्षा

और शिक्षा-संस्थाओं की वर्तमान स्थिति पर तत्काल ध्यान देकर उसे सुधारने के लिए प्राथमिकता दे और उत्तर प्रदेश सरकार को जहां कुछ ही दिनों में परीक्षाएं प्रारम्भ होने वाली हैं, संभावित गड़बड़ी से निपटने के लिये निर्देश दे ताकि लाखों विद्यार्थियों का भविष्य बिगड़ने से बच सके।

(ii) Need for amending the Drugs Act in order to ban drugs containing alcohol.

श्री हरीश रावत (अल्मोड़ा) :
उत्तर प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में अत्यधिक अलकोहल मात्रा वाली सुरा एवं बायोटिक्स खुलेआम बिना किसी नियंत्रण के बेचे जा रहे हैं। सस्ती कीमत पर प्राप्त मादक पेयों का प्रयोग इतनी आम बात होती जा रही है कि स्थानीय समाज अपना सामाजिकता को खोता जा रहा है। स्वास्थ्य के लिये हानिकारक इन द्रव्यों के उपयोग से इन क्षेत्रों में मृत्यु दर में अचानक वृद्धि हो गई है। क्षेत्रों के क्षेत्र क्षय रोग से ग्रसित होते जा रहे हैं। इन सीमांत पर्वतीय क्षेत्रों ने देश को हमेशा बहादुर सैनिक प्रदान किये हैं, वहां इस प्रकार की स्थिति चिन्ताजनक है।

डाक्टर उत्तर प्रदेश सरकार के सहकारिता विभाग द्वारा नियंत्रित को-आपरेटिव ड्रग फैक्ट्री, मृत मंजीवनी सुरा, सभ्राट सुरा, अशोक लिक्विड विभिन्न नाम व बांडों से यहां कई प्रकार के मादक द्रव्य उत्तर प्रदेश शासन के स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रदत्त दवा बेचे जाने के लाइसेंस के तहत बेचे जा रहे हैं। दवाओं के वर्गीकरण में यह पदार्थ भी दवाओं में गिने जाते हैं। मगर इनमें लगभग 100 प्रतिशत तक अलकोहल होता है। सन् 1977 में पूर्ण मद्य-निषेध के वाद से फैली यह व्याधि स्वास्थ्य व सामाजिक व्यवस्था में इतनी तेजी से गिरावट ला रही है कि यदि इसे रोका नहीं गया तो यहां का

पूरा समाज हर प्रकार से क्षय से रूग्ण हो जायगा।

वर्तमान वाणिज्य मंत्री जब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, तो उन्होंने इन पदार्थों की बिक्री पर अध्यादेश के जरिये रोक लगाई थी, परन्तु विक्रेताओं द्वारा हाई कोर्ट से स्थगन आदेश प्राप्त करने के कारण यह अध्यादेश प्रभावशाली नहीं हो पाया है।

मेरा सदन के माध्यम से स्वास्थ्य मंत्रालय से आग्रह है कि ड्रग्स एंड कोस्मैटिक्स कंट्रोल एक्ट में परिवर्तन कर इस प्रकार के मादक द्रव्यों के उत्पादन पर कड़ाई से रोक लगाने के उपाय खोजे जायें।

(iii) Need to take over Buckingham and Carnatic Mills, Madras

SHRI SUNIL MAITRA (Calcutta North East) : Sir, after six months long closure of Buckingham and Carnatic Mills, Madras, during 1981, the mill was reopened after protracted negotiations at Madras and New Delhi. The reopening of the Mill was coupled with reduction of employment of 3,000. The management also succeeded in jacking up the production norms to an unrealistic high level which the workers had to agree as price for reopening. But, the infrastructure of the mills could not bear this inflated production level. Thus, it has become imperative that the work norms and the manning should be re-negotiated and a realistic target fixed up mutually.

Sir, there is no other alternative except for the Central Government to take over this mill in order to save this famed and to place it in the interest of country's viable mill and finance and economy. I, therefore, urge upon the Government to call a tripartite meeting to consider the following points :—

1. Immediate take over of the Buckingham and Carnatic Mills,
2. Payment of statutory viable mill bonuses for 1982-83 and unavailed

sickness allowance to staff and employees.

3. To re-negotiate work-norms/manning.

MR. DEPUTY-SPEAKER : Thank you. That mill is in my Constituency Dr. V. Kulandaivelu.

(iv) Need to provide housing facilities to Certain Tamil families settled in Ramakrishna Puram New Delhi

DR. V. KULANDAIVELU (Chidambaram) : I invite attention of the Minister of Housing about the serious plight of 271 odd families of Tamils settled in Ramakrishna Puram, New Delhi for over a decade without allotment of house sites or built-in-flats until date.

Most of them are employed in the Palam airport as porters and coolies; the harijans outnumber them. They are living either in the shelter of officers' garrages or on the pavements.

The poor labourers without having any proper shelter for their livelihood have already registered their names with the Delhi Development Authority for the allotment of vacant sites or built-in flats. In this regard, representations have been made to Prime Minister by our M.Ps also.

In view of the serious plight of the poor labourers settled in Ramakrishna Puram, I urge upon the concerned authorities for immediate allotment of vacant Housing sites or built in flats for 271 odd families of Tamils and avert the miseries.

13.52. hrs

(SHRI CHINTAMANI PANIGRAHI
in the Chair)

(v) Need for financial assistance for Construction of certain bridges in Himachal Pradesh

PROF. NARAIN CHAND PARASHAR (Hamirpur) : The construction of various